बाधा पर बिजय

महिषी दक्षिणी पंचायत मेघ पाईन अभियान का कार्यक्षेत्र हैं यहां इसी पंचायत में भगवतपुर एक गांव है यहां की आबादी 3000 लगभग है। इस गाँव में राजपूत, कुर्मी, शर्मा, पासवान, सादा, नाई, राम, जाति के लोग रहते हैं। ग्रामीणों में आपस में मधुर रिस्ता है। राजपूत जाति की जनंसख्या अधिक हैं भागवतपुर के पश्चिम में बिल्कुल सटा पूर्वी कोशी तटबंध है। तथा पूर्वी ओर मनुआ घार है। यहां जलजमाव की भयंकर समस्या है।

गाँव के बगल से पक्की सड़क गुजरती है। प्रखंड मुख्यालय यहाँ से मात्र कि0 मी0 तथा जिला मुख्यालय 18कि0मी0 पष्चिम है। यहाँ मध्य विद्यालय तथा नवश्रृजित विद्यालय है। 2 कि0मी0 की दूरी पर महिषी में बालिका उच्च वि0 एवं सामान्य उच्च वि0 तथा संस्कृत महाविद्यालय है। निकट में शिक्षण संस्थान होने का फायदा भागवतपुर वासियों ने उठाया है।

खरीफ, रबी, गरमा, की खेती यहां के लोग करते हैं अधिकांश जमीन राजपूतों के पास है। कुछ कुर्मी तथा पासवान जाति के पास अपनी जमीन है। खेती, पशुपालन, मजदूरी पलायन एवं नौकरी यहां के ग्रामीणों की पेशा है। तटबंध निर्माण से पूर्व यहाँ इतने बड़े भू–भाग में इतने दिनों तक जल जमाव नहीं रहता था। तटबंध के समीप इस गांव स्थित रहने के कारण बरसात के दिन बाढ़ आने की आशंका हमेशा बनी रहती है।

पहले यहाँ कुंआ की संख्या आबादी के हिसाब से अच्छी थी उसी का पानी गांव के लोग पीते थे। अब उसका स्मृतिशेष ही कहीं–कहीं बचा है। वर्तमान में पेयजल का श्रोत कुछ चापाकल है। अधिकतर लोगों के पास अपनी चापाकल है। लेकिन 75 प्रतिशत में मानक मात्रा से अधिक आयरन है।

राजपूत टोला, भागवतपुर जब मेघ पाईन अभियान के कार्यकर्त्ता जाते और शुद्ध पेयजल के बारे में बात करते पानी में आयरन की जांच अमरूद के पत्ते से करके दिखाते लोगों को प्रेरित करने के लिए वर्षाजल संग्रहण स्टॉल भी लगाया गया।लेकिन वहाँ के लोग किसी प्रकार का जिम्मेवारी नहीं लिया ऐसी हरकत देख कार्यकर्त्ताओं ने स्टॉल को अन्यत्र स्थानान्तरित कर दिया। बार–बार कार्यकर्त्ता उनलोगों से संपर्क जारी रख तथा शुद्ध पेयजल एवं स्वच्छता की जानकारी देता रहा। लोगों को मानसिकता में बदलाव के लिए सभी कार्यकर्त्ता एक सथ भागवतपुर पहुंचे लेकिन कोई बदलाव नहीं आया।

एक दिन क्षेत्र के क्षेत्रीय सहायक भागवतपूर राजपूत टोला में दया सिंह के यहाँ पहुंचे। उनकी पत्नी पार्वती देवी पेट के दर्द से बेचैन थी महिला कार्यकर्त्ता ने उनसे कहा कि आपके चापाकल में आयरन है इसी पानी को पीने के वजह से आपके पेट में दर्द हो रही है। आप मटका फिल्टर से छनित आयरन मुक्त पानी पीजिए। पहले आप इसे लगाकर पानी पीकर देखे। अगर फायदा होगा तो रखेंगी बाद में ही उसका कीमत का भुगतान करेगी। अगर आपको फायदा नहीं होगी तो वापस कर देंगी। उन्होंने कहा कि ठीक है आप हमारे यहां एक मटका फिल्टर लगा दीजिए।

अगले दिन कार्यकर्त्ता ने कुम्भकार से भागवतपूर में मटका फिल्टर लेकर आने के लिए कही। वह मटका फिल्टर लेकर पहुंचा साथ में कार्यकर्त्ता भी पहुंचे कार्यकर्त्ता के द्वारा लगाया गया। दया सिंह ने जाली, गिट्टी, बालू, कोयला, का व्यवस्था किया।

कार्यकर्त्ता ने महिला से निवेदन करते हुए कहीं कि माताराम इस मटका फिल्टर का पानी आप तथा आपके परिवार के सदस्य तो पीयेंगे ही साथ ही आस–पास के लोगों को अगर इसका पानी पीने की जिज्ञासा व्यक्त करेंगे तो उन्हें भी पीने देगी।

पार्वती देवी ने कहा ठीक है। तुरंत कार्यकर्त्ता के द्वारा मौजूद लोगों के सामने चापाकल की पानी तथा मटका फिल्टर से प्राप्त पानी के आइरन की जांच अमरूद के पत्ते से करके दिखाई। लोगों में विश्वास जगा।उसके बाद पार्वती देवी तथा परिवार के लोग मटका फिल्टर का पानी ही पीने के काम में लाते है। दिया सिंह की पत्नी के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ। आस पास के लोग मटका फिल्टर लगवाने के लिए कहने लगे। धीरे–धीरे वहां 15 मटका फिल्टर कार्यकर्ता के द्वारा लगाया गया। लोगों की मांग जारी है। मांग के अनुरूप आपूर्त्ति नहीं हो पाती है चूंकि बरसात के मौसम होने के कारण जितनी मटका फिल्टर बनानी चाहिए नहीं बना पाते हैं। पार्वती देवी ने कहा कि मेघ पाईन अभियान के कार्यकर्त्ता की जितनी सराहना की जाय कम ही होगी हमारे जीवन में तो नव संचार किया है।